बिहार में एफआरएचएस इंडिया

FRHS INDIA
Children by choice, not chance

फाउंडेशन फॉर रिप्रोडक्टिव हेल्थ सर्विसेस इंडिया (एफआरएचएस इंडिया) 2013 से बिहार में सरकार के साथ मिलकर परिवार नियोजन संबंधी कई सेवाएं प्रदान कर रहा है। हम राज्य में सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमज़ोर लोगों के बीच किफायती और उच्च गुणवत्ता वाले यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच में सुधार लाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं।

वर्ष 2013 में चार जिले से शुरुआत कर, हमने अपने कार्यक्षेत्र में बहुत वृद्धि की। आज हम राज्य के 20+ जिलों में 300+ सरकारी केंद्रों पर 4.5 करोड़ (45 मिलियन) से भी अधिक लोगों तक लाभ पहुँचा रहे हैं। अपने पहले वर्ष में हमने 1,183 क्लाइंट एवं 2019 में 65,354 क्लाइंट को सेवाएं प्रदान कीं। हम 2015 से बिहार में 31% की चक्रवृद्धि वार्षिक विकास दर से आगे बढ़ रहे हैं। हम 13 क्लिनिकल आउटरीच टीमों, सात मिनी–क्लिनिकल आउटरीच टीमों एवं दो क्लिनिक के माध्यम से राज्य में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

बिहार में यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य के सूचक

टोटल फर्टिलिटी रेट

बिहार		राष्ट्रीय
3.4%	>	2.2%

गर्भनिरोधक के लिए कुल अनमेट नीड

(स्पेसिंग के लिए अनमेट नीडः 9.4% एवं लिमिटिंग के लिए अनमेट नीडः 11.8%)

बिहार		राष्ट्रीय
21.2%	>	12.9%

आधुनिक गर्भनिरोधक की प्रचलित दर

बिहार		राष्ट्रीय
23.3%	<	47.8%

*Source: International Institute for Population Sciences (IIPS) and ICF. 2017. National Family Health Survey (NFHS-4), 2015-16: India. Mumbai: IIPS.

हमारे सर्विस डिलीवरी चैनल

क्लिनिकल आउटरीच टीम (कौट)

कौट प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मचारियों से लैस टीम है जो सरकारी केंद्रों पर परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, सलाह और सेवाएं (स्पेसिंग, लांग–एक्टींग रीवर्सिबल मेथड एवं स्थायी मेथड) प्रदान करती है।

मिनी-क्लिनिकल आउटरीच टीम (मिनी-कौट)

मिनी–कौट युवक एवं युवतियों को घर के आस–पास ही परिवार नियोजन संबंधी जानकारी, सलाह एवं सेवाएं (स्पेसिंग एवं लांग–एक्टींग रीवर्सिबल मेथड) मुहैया कराती है।

मैरी स्टोप्स क्लिनिक

मैरी स्टोप्स क्लिनिक वन स्टॉप सेंटर के रूप में गया एवं सहरसा में परिवार नियोजन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवा संबंधी सभी सुविधाएं किफायती दरों में प्रदान कर रहा है।

हमारे क्लाइंट एवं उनके अनुभव

91%
क्लाइंट अपने अनुभवों से **संतुष्ट** थे

81%
क्लाइंट जिन्हें विश्वास है की **एफआरएचएस इंडिया** ने उनकी उम्मीदों से बढ़कर कार्य किया

62%
क्लाइंट जिन्होंने कभी **परिवार नियोजन** के तरीकें अपनाए ही नहीं

50%
क्लाइंट जिनके पास गर्भनिरोधक विधियों के लिए कोई **अन्य प्रदाता उपलब्ध** नहीं थे

38%
क्लाइंट जो **अत्यधिक गरीबी** में जी रहे हैं

क्लाइंट को 2019 में उपलब्ध कराई गई सेवाएं

48,927
महिलाओं को नसबंदी की सेवा प्रदान की

15,664
महिलाओं को कॉपर टी सेवा प्रदान की

763
पुरूषों को नसबंदी सेवा प्रदान की

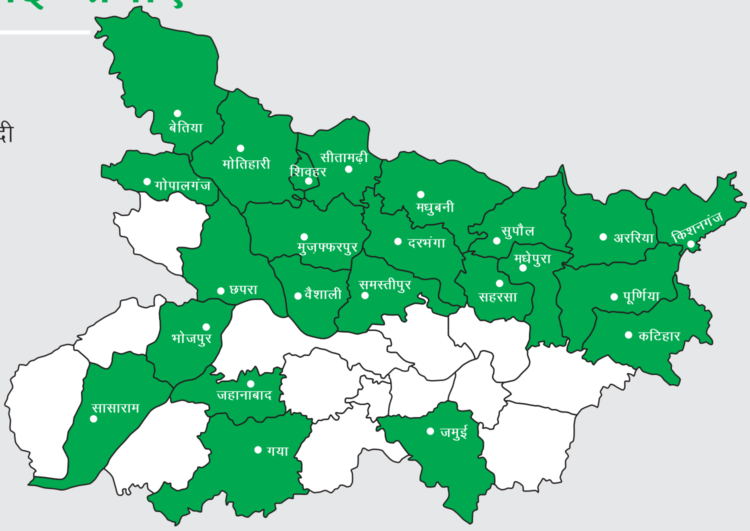

*2019 में जिन जिलों में हमने सेवा प्रदान किए उन्हें हरे रंग में चिन्हित किया गया है।

2019 में हमारा प्रभाव

6,97,869
कपल इयर्स ऑफ प्रोटेक्शन

32,972
अनचाहे गर्भ रोके

11,569
असुरक्षित गर्भपात रोके

26
मातृ मृत्यु (मेटरनल डेथ) रोकीं

उपलब्धियां और पुरस्कार

वर्ष 2019 में पूर्वी चम्पारण टीम को ट्युबल लाईगेशन (महिला नसबंदी की एक स्थायी विधि) एवं पुरूष नसबंदी के लिए सर्वश्रेष्ठ सहयोगी टीम पुरस्कार से नोडल अधिकारी, परिवार नियोजन द्वारा सम्मानित किया गया।

वर्ष 2019–20 में कटिहार क्लिनिकल आउटरीच टीम को परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करने में अविश्वसनीय उपलब्धियां हासिल करने के लिए जिला स्वास्थ्य समाज (डिस्ट्रिक्ट हेल्थ सोसाइटी) द्वारा सम्मानित किया गया।

26 जनवरी 2017 में सीतामढ़ी क्लिनिकल आउटरीच टीम एवं मिनी–क्लिनिकल आउटरीच टीम को उनके अविश्वसनीय कार्य के लिए जिला अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया।

वर्ष 2017 में छपरा क्लिनिकल आउटरीच टीम को परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करने में एक अच्छे सहभागी होने के लिए डिवीज़नल कमीशनर (सारन), राज्य स्वास्थ्य समाज (स्टेट हेल्थ सोसाइटी) द्वारा सम्मानित किया गया।

सीतामढ़ी: राज्यों के दूर-दराज़ कोनों तक एफआरएचएस इंडिया की पहुँच

बिहार के बैरगनिया नामक ब्लॉक की सड़कों का हाल बुरा तो था ही, 2019 में आई बाढ़ में इसकी हालत और भी खराब हो गई थी। इसके बावजूद एफआरएचएस इंडिया की क्लिनिकल आउटरीच टीम (कोट) ने अपनी फिक्स्ड डे सर्विस (एफडीएस) जारी रखी। बैरगनिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में एफआरएचएस इंडिया की ऐम्बुलेंस के आते ही परिवारों में खुशी और आशा की लहर जग गई। टीम के सदस्य तुरंत अपने कार्यों में जुट गए। पंजीकरण के लिए मेज़ और अन्य काउंटर तैयार किये गए। ऑपरेशन थिएटर, काउंसलिंग एवं प्री–ऑपरेटिव कक्षों की अच्छी तरह सफ़ाई की गई और टीम के सदस्य क्लाइंट को सेवा प्रदान करने में जुट गए।

कमला नामक महिला, जो की सात बच्चों की माँ हैं ट्युबल लाईगेशन (महिला नसबंदी की एक स्थायी विधि) के लिए आयीं थी। उनसे उनके अनुभव के बारे में पुछे जाने पर उन्होंने कहा कि अगर उन्हें एफआरएचएस इंडिया की परिवार नियोजन संबंधी सेवाओं के बारे में पहले पता होता तो वह अपनी गर्भावस्थाओं को बेहतर तरीके से संभाल पाती। परिवार नियोजन की अनमेट नीड राज्य मे बहुत अधिक है, खासकर बैरगनिया जैसे दूर–दराज़ इलाकों में। इस बीच, ऐसी अनमेट नीड को कम करने में एफआरएचएस इंडिया खुब लगन और मेहनत से कार्य कर रहा है।

अधिक जानकारी के लिए, संपर्क करें: info@frhsi.org.in **फोन:** 0612–2270228
राज्य कार्यालय: हाउस नं. – 18ए, दूसरी मंज़िल, रूबन अस्पताल के पास, पाटलीपुत्र कॉलोनी, पटना – 800013, बिहार
मुख्यालय: बी–37, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली – 110049, **फोन:** +91 11 49840000, **वेबसाइट:** http://www.frhsi.org.in
हमें फेसबुक पर फॉलो करें: @FoundationforReproHealthServicesIndia, @PratigyaRights